(i) Printed Pages : 3] Roll No. .....

(ii) Questions : 4] **Sub. Code :** 0 7 5 5

Exam. Code : 0 0 1 0

B.A./B.Sc. (Hons.) 6th Semester Examination

1047

HINDI

Paper : IV(B)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 90**

नोट :– सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रश्नों के भीतर ही विकल्प हैं।

1. (क) निम्नलिखित व्याख्यांशों में से किसी **एक** व्याख्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए– 10

अरे ····· प्रजा हम थे
हमने उफ़ तलक नहीं की
शासन के ग़लत-सलत झोंकों के आगे भी
फसलों-से विनयी हम बिछे रहे निर्विवाद
हमारे व्यक्तित्व के लहलहाते हुए
खेतों से होकर

दक्ष ने बहुत सी पगडंडियाँ बनाईं

कर दीं सब फसलें बरबाद

पर हम नहीं बोले ..... बिछे रहे

हमने पथ दिया सबको

क्योंकि हम प्रजा थे।

अथवा

देवत्व और आदर्शों का परिधान ओढ़

मैंने क्या पाया ?

निर्वासन!

प्रेयसि-वियोग!!

हर परम्परा के मरने का विष,

मुझे मिला,

हर सूत्रपात का

श्रेय ले गये और लोग।

मैं ऊब चुका हूँ,

इस महिमा-मंडित छल से

अब मुझे स्वयं का

वास्तव-सत्य पकड़ना है।

(ख) 'एक कंठ विषपायी' के आधार पर सर्वहत का चरित्र-चित्रण कीजिए। 16

अथवा

'एक कंठ विषपायी' में कवि दुष्यंत कुमार ने क्या कहना चाहा है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** छन्दों के लक्षण, उदाहरण एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत कीजिए– 20

भुजंग प्रयात, मालिनी, मंदाक्रान्ता, शिखरिणी, अहीर, बरवै।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए– 20

अन्योक्ति, तुल्य योगिता, उल्लेख, व्याजस्तुति, अनन्वय, विभावना।

4. निम्नलिखित खण्ड में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 12×2=24

(क) ब्रज भाषा का क्षेत्र और उसकी विशेषताएँ संक्षेप में बताइए।

(ख) मानक हिन्दी की शब्द-संरचना पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ग) राजभाषा हिन्दी का परिचय एवं वर्तमान स्वरूप विवेचित कीजिए।

(घ) देवनागरी लिपि के अनुमोदित मानक रूप को प्रस्तुत कीजिए।